हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शुक्रवार 10 जुलाई 2026
सीहोर | नसरुल्लागंज | रेहटी | इछावर | कोठरी | श्यामपुर | शाहगंज | कालापीपल | जावर

06 निजी विद्यालयों की मनमानी, रिश्तेदार और चहेतों की...

09 ब्यावरा में सरेआम 'स्टंटबाजीः रसूख की ...

खबर संक्षेप

मानव अधिकार आयोग के विशेष प्रतिवेदक ने किया निरीक्षण

सीहोर। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के विशेष प्रतिवेदक सुभाष चंद्र ने आष्टा स्थित सांदीपनि स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियां देखीं और कक्षाओं, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय, संगीत कक्ष, कंप्यूटर कक्ष एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग रहना चाहिए। इस दौरान डीपीसी रमेशराम उईके सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित थे।

अधिकारियों के कार्य विभाजन आदेश जारी

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. द्वारा जिला कार्यालय में पदस्थ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के मध्य कार्यों के सुचारु एवं प्रभावी संचालन के लिए नवीन कार्य विभाजन आदेश जारी किया गया है। कार्य विभाजन आदेश में अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर तथा डिप्टी कलेक्टर्स के मध्य विभिन्न शाखाओं एवं विभागीय दायित्वों का निर्धारण किया गया है। जारी आदेश के अनुसार अपर कलेक्टर श्री बृजेश सक्सेना को राजस्व, पंचायत राज, कृषि भूमि सीमा, मुख्यमंत्री सहायता कोष, जिला सतर्कता, लाइसेंस शाखा, स्वास्थ्य विभाग (रेडक्रॉस), जनगणना, राहत, भू-अभिलेख सहित अनेक महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं राजस्व संबंधी दायित्व सौंपे गए हैं। संयुक्त कलेक्टर वंदना राजपूत को स्वच्छ भारत मिशन, जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन, सूचना प्रौद्योगिकी, लोक सेवा प्रबंधन, राज्य लायबिलिटी संबंधी कार्य, मुख्य प्रतिलिपिकार शाखा, अभिलेखागार तथा एसएलआर शाखा का प्रभार दिया गया है। संयुक्त कलेक्टर रविन्द्र परमार को लेखा शाखा, स्थानीय निर्वाचन, नजारत शाखा, व्यवहार न्याय, जीपीएफ, लोक स्थापना, आरएमएस शाखा, रीडर शाखा तथा नजूल संबंधी कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सीहोर एसडीएम तन्मय वर्मा को लोक परिसंपत्ति प्रबंधन तथा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रभार दिया गया है। वहीं इछावर एसडीएम स्वाति मिश्रा को टंकण शाखा, आवक-जावक शाखा, अल्प बचत, धर्मस्व तथा सैनिक कल्याण से संबंधित कार्यों का दायित्व सौंपा गया है। आदेश में अधिकारियों के मध्य लिंक अधिकारी व्यवस्था भी निर्धारित की गई है।

शिक्षा विभाग में रोस्टर के नाम पर बड़ा खेल, पदोन्नति में कर्मचारियों से भेदभाव!

30 से 35 साल की सेवा के बाद भी प्रमोशन से वंचित हो रहे हकदार

16 और 20 प्रतिशत आरक्षण नियमों की उड़ाई जा रही धज्जियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग में पिछले 13 वर्षों (साल 2013) से रुकी हुई पदोन्नति की प्रक्रिया जब दोबारा शुरू हुई तो कर्मचारियों में उम्मीद की किरण जागी थी। लेकिन जिले का स्कूल शिक्षा विभाग आज भी अपनी पुरानी ढर्रे वाली कार्यप्रणाली और गंभीर अनियमितताओं के चलते विवादों के घेरे में है। जिले में पदोन्नति के नाम पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के कर्मचारियों के साथ खुलेआम भेदभाव और रोस्टर के नियमों की अनदेखी के गंभीर आरोप लग रहे हैं। हालात यह हैं कि 30-30 साल तक निष्ठापूर्वक सेवा देने के बाद भी कई पात्र कर्मचारी अपने हक के प्रमोशन से वंचित हैं। नियमानुसार मध्य प्रदेश शासन के हर विभाग में पदोन्नति के दौरान अनुसूचित जाति संवर्ग को 16 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति संवर्ग को 20 प्रतिशत आरक्षण का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य है। लेकिन जिले के स्कूल शिक्षा विभाग में इन संवैधानिक प्रावधानों को दरकिनार किया जा रहा है। विभाग द्वारा न तो लिपिक संवर्ग और न ही अन्य संवर्गों की अंतरिम पदक्रम सूची का सही और पारदर्शी तरीके से प्रकाशन किया जा रहा है। जानबूझकर सूची में कमियां रखी जा रही हैं, जिसके चलते लाभान्वित होने वाले और वरिष्ठ कर्मचारियों के नाम ही गायब कर दिए जा रहे हैं।

शिक्षा विभाग में क्यों बहानेबाजी!

पीड़ित कर्मचारियों और संगठनों ने सवाल उठाया है कि जब आबकारी विभाग और उद्योग विभाग जैसे अन्य विभागों में पद रिक्त न होने की स्थिति में भी क्राइटेरिया के अनुसार यथास्थान पदोन्नति पद पर उन्नयन का कार्य सुचारू रूप से किया जा रहा है तो फिर अकेले स्कूल शिक्षा विभाग में ही रिक्त पदों की समस्या का रोना क्यों रोया जा रहा है। आखिर क्यों सिर्फ इसी विभाग के अधिकारियों को नियम लागू करने में परेशानी आ रही है।

रिटायर्ड कर्मचारी भी परेशान

बता दें जिला प्रशासनिक सुस्ती के मामले में पूरे प्रदेश में पिछड़ता नजर आ रहा है। यहां केवल पदोन्नति ही नहीं, बल्कि कर्मचारियों के वित्तीय लाभों पर भी कुंडली मारकर अफसर बैठे हैं। जिले में 35 वर्षों की लंबी सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को शासन के निर्देशानुसार चतुर्थ समयमान वेतनमान का लाभ मिलना था, लेकिन विभाग ने अब तक इस आदेश का पालन नहीं किया है। हद तो यह है कि जो कर्मचारी विभाग की सेवा करते-करते सेवानिवृत्त हो चुके हैं, उनके अर्जित अवकाश नकदीकरण के भुगतान के मामले भी महीनों से लंबित पड़े हैं। बुजुर्ग पेंशनर्स को अपने ही हक के पैसों के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

कर्मचारियों में आक्रोश, आंदोलन की सुगबुगाहट

भेदभावपूर्ण रवैये और रोस्टर की हेराफेरी से परेशान अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के कर्मचारियों में विभाग के खिलाफ गहरा असंतोष पनप रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि जिला शिक्षा कार्यालय ने जल्द ही अपनी गलतियों को नहीं सुधारा, सही रोस्टर लागू कर संशोधित पदक्रम सूची जारी नहीं की और कर्मचारियों को उनका वाजिब हक नहीं दिया तो वे इस भेदभाव के खिलाफ आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

चार दिन में ही बनकर तैयार हो गया था वुडन कोर्ट, अब छत से टपक रहा पानी

बैडमिंटन एसोसिएशन की सलाह मान लेतीं खेल अधिकारी, तो खराब नहीं होता वुडन कोर्ट

2022-23 में ही 50 लाख की लागत से इंडोर स्टेडियम की हुई मरम्मत, पुराना फर्श उखाड़ फिर से बिछा दिया, पुट्टी कर ठिकाने लग गया बजट।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

मध्य प्रदेश के गिने-चुने शहरों को ही आधुनिक वुडन बैडमिंटन कोर्ट जैसी सौगात नसीब होती है। सीहोर के खिलाड़ियों के लिए भी यह एक बड़ा सौभाग्य था कि खेल मंत्रालय ने यहां यह सुविधा प्रदान की। लेकिन जिला खेल अधिकारी की हठधर्मिता ने खिलाड़ियों के इस सपने को बर्बादी की कगार पर ला खड़ा किया है। अगर जिला खेल अधिकारी रुबिका दीवान ने बैडमिंटन एसोसिएशन की सलाह मान ली होती तो आज 50 लाख रुपए की भारी-भरकम लागत से तैयार यह खेल परिसर उपयोग में आता और खिलाड़ी वुडन कोर्ट पर बैडमिंटन खेलते नजर आते, लेकिन बारिश का पानी सीधे कोर्ट पर टपक रहा है, जिससे खिलाड़ियों का खेलना मुहाल हो गया है।

जिला बैडमिंटन एसोसिएशन संघ के प्रभारी अध्यक्ष प्रदीप वशिष्ठ ने बताया कि जब इस वुडन कोर्ट की स्वीकृति मिली थी, तभी उन्होंने खेल अधिकारी को जमीनी हकीकत से चेताया था। उन्होंने साफ कहा था कि पहले हॉल की छत की मरम्मत करवा लीजिए। अगर ऊपर के चद्दरों से पानी गिरेगा तो यह लकड़ी का कोर्ट पूरी तरह खराब हो जाएगा। लेकिन अधिकारी ने इस सलाह को दरकिनार कर दिया। खेल अधिकारी ने एसोसिएशन के सदस्यों के सामने बड़े-बड़े दावे किए थे कि यह कोर्ट 10 साल तक चलेगा। एसोसिएशन ने तब भी कहा था कि अगर छत के चद्दर नहीं सुधरे तो यह 10 महीने भी नहीं टिक पाएगा और दुर्भाग्य से हुआ भी बिल्कुल वैसा ही। निर्माण के महज दो महीने के भीतर ही छत से टपकते पानी ने लाखों की लकड़ी का खराब करना शुरू कर दिया है।

50 लाख बहाए, पानी नहीं रोक पाए

बताया जा रहा है कि साल 2022-23 में चर्च ग्राउंड स्थित

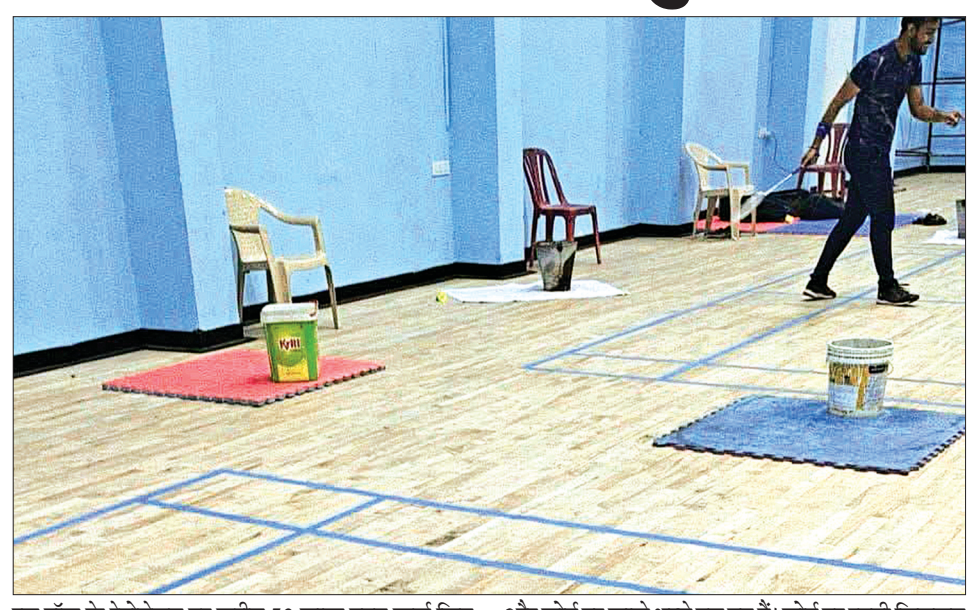

इस हॉल के रेनोवेशन पर करीब 50 लाख रुपए खर्च किए गए थे। सदस्यों का आरोप है कि इतनी भारी-भरकम राशि खर्च होने के बावजूद रेनोवेशन के नाम पर सिर्फ पुराना फर्श उखाड़कर फिर बिछा दिया, पुरानी मैट ही वापस लगा दी गई और दीवारों पर पुट्टी कर दी गई। पानी रोकने का कोई इंतजाम नहीं हुआ।

चार दिन में तैयार हुआ वुडन कोर्ट

सदस्यों ने बताया कि अभी हाल ही में लगभग 10 लाख की लागत से नया वुडन कोर्ट महज चार दिन में हड़बड़ी में बनाकर तैयार कर दिया गया। यानी इस पूरे परिसर पर 50 लाख से अधिक की राशि खर्च हो चुकी है, लेकिन नतीजा सिफर है। निर्माणकर्ताओं और एसोसिएशन दोनों ने कोर्ट के ऊपर सिंथेटिक मैट लगाने की सलाह दी थी। अधिकारी ने बारिश से पहले मैट लगवाने का आश्वासन दिया जो आज तक नहीं लगी।

खिलाड़ियों की जान जोखिम में

पानी गिरने से लकड़ी की प्लेटें नीचे से तिकोनी होने लगी हैं और कोर्ट पर काले धब्बे पड़ गए हैं। कोर्ट पर इतनी फिसलन हो गई है जैसे किसी ने तेल डाल दिया हो। खिलाड़ी अक्सर स्लिप होकर चोटिल हो रहे हैं। बैडमिंटन खिलाड़ियों ने बताया कि पानी टपकने की वजह से खेलने में भारी दिक्कत आ रही है।

कीमती कोर्ट नष्ट हो जाएगा

वरिष्ठ खिलाड़ी योगेश राठी का कहना है कि सीहोर उन गिने-चुने शहरों में है जहां वुडन कोर्ट है। इसी कोर्ट से खेलकर खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचते हैं। वीआईटी कॉलेज के आने से यहां खिलाड़ियों की संख्या भी बढ़ी है, लेकिन अगर लापरवाही का यही आलम रहा तो जल्द ही यह कीमती कोर्ट पूरी तरह नष्ट हो जाएगा।

मैं अभी ट्रेनिंग में हूं...

जब इस पूरे मामले और कोर्ट की बदहाली पर जिला खेल अधिकारी रुबीका दीवान बात कर उनका पक्ष जानने की कोशिश की गई तो सवालों से बचते हुए कहा कि अभी मैं ट्रेनिंग में हूं।

नर्मदा में मछली माफिया का राजः प्रतिबंध बेअसर

जिम्मेदार विभाग बना मूकदर्शक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैरुंदा

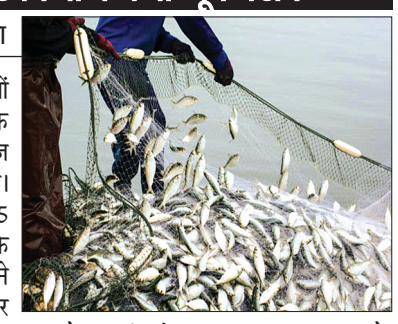

नर्मदा नदी में इन दिनों कानून नहीं, बल्कि मछली माफिया का राज चलता नजर आ रहा है। हर साल 15 जून से 15 अगस्त तक मछलियों के प्रजनन काल को बचाने के लिए मत्स्याखेट पर सख्त प्रतिबंध लगाया जाता है, लेकिन इस बार यह प्रतिबंध पूरी तरह कागजों तक सीमित रह गया है। जमीनी हकीकत यह है कि नर्मदा के घाटों पर दिन-दहाड़े खुलेआम मछलियों का शिकार हो रहा है और जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह से लेकर शाम तक नदी किनारे जाल डाले जाते हैं और बड़ी मात्रा में मछलियां पकड़ी जा रही हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह सब कुछ खुलेआम हो रहा है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभाई जा रही है। मत्स्य विभाग द्वारा बनाई गई टीमें केवल कागजों में सक्रिय हैं, जबकि हकीकत में अवैध शिकार बिना किसी रोक-टोक के जारी है।

नर्मदा में मछलियों के इस अवैध कारोबार के पीछे एक संगठित नेटवर्क काम कर रहा है। सूत्रों के अनुसार मछली माफिया के एजेंट गांव-गांव जाकर छोटे मछुआरों को पहले ही एडवांस रकम दे देते हैं। इसके बाद सुबह-सुबह नदी से पकड़ी गई मछलियां सीधे इन्हीं एजेंटों को सौंप दी जाती हैं। मौके पर ही सौदा तय होता है और तुरंत नकद भुगतान किया जाता है। इसके बाद बोलेरो पिकअप, मिनी ट्रक और अन्य वाहनों में मछलियों को भरकर भोपाल, इंदौर और अन्य बड़े शहरों की ओर रवाना कर दिया जाता है। इस पूरे खेल में छोटे मछुआरों से लेकर बड़े कारोबारी और दलाल तक जुड़े हुए हैं, जिससे यह अवैध धंधा दिन-ब-दिन और मजबूत होता जा रहा है।

मत्स्य विभाग और प्रशासन हर साल सख्ती के दावे जरूर करता है, लेकिन इस बार हालात बेहद चिंताजनक हैं। नर्मदा जैसे महत्वपूर्ण जल स्रोत में प्रजनन काल के दौरान मछलियों का इस तरह शिकार होना पर्यावरण और भविष्य दोनों के लिए खतरे की घंटी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसी तरह प्रजनन काल में मछलियों का शिकार होता रहा तो आने वाले वर्षों में मछलियों की संख्या में भारी गिरावट आ सकती है। इससे न केवल पर्यावरण संतुलन बिगड़ेगा, बल्कि इससे जुड़े हजारों परिवारों की आजीविका पर भी संकट खड़ा हो सकता है।

सूचना पर पुलिस द्वारा की जाएगी कार्रवाई

थाना प्रभारी घनश्याम दांगी ने बताया कि 16 अगस्त तक मछली पकड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध है और यदि कोई व्यक्ति मछली पकड़ते या बेचते हुए पाया जाता है तो उसके खिलाफ मत्स्याखेट अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

11 और 18 जुलाई को आयोजित होगी विशेष ई लोक अदालत

सीहोर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष संजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार जिले के तहसील न्यायालयों में 11 जुलाई को विशेष ई-लोक अदालत तथा 18 जुलाई को चेक बाउंस प्रकरणो के लिये विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। सचिव स्वप्नश्री सिंह ने बताया कि दूरस्थ क्षेत्रो में रहने वाले पक्षकारों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए 11 जुलाई को सीहोर में विशेष ई-लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्री-लिटिगेशन एवं लंबित समस्त प्रकरणों को शामिल किया गया है। इसमें पक्षकारों की प्रीसिटिंग तथा प्रकरण के निराकरण आदि में यथा संभव वीडियो कान्फ्रेंसिंग या ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग किया जाएगा। इसी प्रकार 18 जुलाई को धारा 138 एन.आई.एक्ट चेक बाउंस के लंबित प्रकरणो की बड़ी संख्या को दृष्टिगत रखते हुए पक्षकारो को त्वरित निराकरण से लाभांवित करने के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

बुक से आंगनबाड़ी के नौनिहालों की शुरुआती शिक्षा को मिलेगी उड़ान

उड़ान नामक शिक्षण पुस्तक का किया जा रहा वितरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को अधिक रोचक और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को उड़ान नामक शिक्षण पुस्तक का वितरण किया गया। शुगर फैक्ट्री के पीछे गणेश मंदिर रोड वार्ड क्रमांक 25 स्थित सॉल्वेंट कॉलोनी के आंगनबाड़ी केंद्र 90 में उड़ान पुस्तक और खिलौनों का वितरण किया। उड़ान पुस्तक में कुल 32 पृष्ठ हैं। इनमें बच्चों को रंगों के नाम, फलों और सब्जियों की पहचान, पशु-पक्षियों के नाम, हिंदी वर्णमाला (अ, आ, इ, ई), गिनती, आकृतियों की पहचान, दैनिक उपयोग की वस्तुओं को पहचानना, चित्र मिलान, स्मरण शक्ति बढ़ाने वाले अभ्यास, सरल प्रश्नोत्तरी और गतिविधियों के माध्यम से सीखने की सामग्री जैसी गतिविधियां हैं। यह बुक आयुषी स्वामी ने अपने स्वर्गीय पिता और जिले के खेल अधिकारी रह चुके आनंद स्वामी की स्मृति को समर्पित एक पहल की। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में खेल-खेल के माध्यम से सीखने की रुचि बढ़ाना और स्कूल जाने से पहले उनकी बुनियादी शैक्षणिक

तैयारी को मजबूत करना है। इस बुक में बच्चों की सीखने की क्षमता, रुचि और समझ को विकसित करने आकर्षक गतिविधियां हैं। हर गतिविधि ऐसी है कि बच्चे पढ़ाई को बोझ नहीं, बल्कि एक मनोरंजक खेल की तरह महसूस करें।

घर पर भी होगी पढ़ाई की निरंतरता

इस पुस्तक की विशेषता यह है कि बच्चे इसे घर ले जाकर अपने माता-पिता के साथ भी अभ्यास कर सकेंगे। इससे अभिभावकों की भी बच्चों की शुरुआती शिक्षा में भागीदारी बढ़ेगी और आंगनबाड़ी में सीखी गई बातें घर पर भी दोहराई जा सकेंगी।

प्रगति का होगा सरल आंकलन

उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा तो दी जाती है, लेकिन औपचारिक परीक्षा नहीं होती। उड़ान पुस्तक के माध्यम से बच्चों की सीखने की प्रगति का सहज मूल्यांकन किया जा सके। इससे कार्यकर्ताओं को भी यह समझने में आसानी होगी कि किस बच्चे को किस विषय पर अधिक अभ्यास की आवश्यकता है।

क्या है पुस्तक में...

पुस्तक में पहली गतिविधि सही चित्र पर गोला लगाने से शुरु होती है। यहां अलग-अलग एनिमल के चित्र दिए गए हैं। एक लाइन एक एनिमल के तीन चित्र हैं। इसमें बच्चों को सही चित्र पर गोला लगाना है। इससे बच्चों को एनिमल की पहचान होगी। जिस तरफ ज्यादा फल हैं, उनमें रंग भरना जैसी गतिविधियां हैं। इस बुक को रॉकेट लर्निंग एजेंसी ने तैयार किया है।

जैन मंदिर में वेदी प्रतिष्ठा और विश्व शांति महायज्ञ धार्मिक अनुष्ठान किया संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

अतिशय क्षेत्र श्री चंद्र प्रभु दिगम्बर जैन मंदिर स्थित कस्बा मे नवीन वेदी प्रतिष्ठा विश्व शांति महायज्ञ महोत्सव के तृतीय दिवस संत शिरोमणी समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर सागर जी महाराज से दीक्षित वर्तमान आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री अक्षय सागर महाराज की प्रेरणा से नव निर्मित वेदी जी पर तीर्थंकर भगवान की त्रिमूर्ति मुनि श्री निर्णय सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य मे सकल जैन समाज ने संकल्प अनुसार धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर विराजमान कर धर्म लाभ अर्जित किया। मुनि श्री निर्णय सागर जी महाराज , छुल्लक श्री तत्व सागर जी महाराज के सानिध्य मे प्रतिष्ठाचार्य विमल भैय्या ,बृहमचारी अमन भैय्या जी के निर्देशन संगीतकार धर्मवीर के मधुर संगीत के साथ प्रातः तीर्थंकर भगवान कि प्रतिमा के अभिषेक, मुनि श्री के मुखारविंद 108 मंत्र के जाप से श्रध्दालुओ ने शांति धारा विशेष पूजा अर्चना कर बड़े बाबा साहब तीर्थंकर भगवान श्री शीतलनाथ तीर्थंकर भगवान श्री अरनाथ, अतिशय चिंतामणी श्री पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा मुनि श्री अक्षय सागर जी कि प्रेरणा से सकल जैन समाज ने संकल्प अनुसार नवीन वेदी पर प्राचीन अतिशयकारी त्रिमूर्ति तीर्थंकर भगवान की प्रतिमा विधी विधान से निर्धारित वस्त्र सोले के कपड़े धोती दुपटा पहनकर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर विराजमान किया तथा मुख्य पात्रों के साथ सकल जैन समाज ने पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर मुनि श्री निर्णय सागर जी महाराज ने अमृत वाणी से धर्म सभा मे श्रध्दालुओ को संबोधित करते हुए मंगल प्रवचन के दौरान कहां कि प्रतिदिन मंदिर आना जरुरी है क्योकि भगवान की मूर्ति देखकर अपनी आत्मा के दर्शन हो जाते है। शास्त्र को पढने के लिए संस्कृत प्राकृत भाषा की जानकारी होना आवश्यक है। तब आत्मा का स्वरुप ज्ञान हो सकता है । परन्तु भगवान की प्रतिमा के दर्शन करने ,देखने से अपने आत्मस्वरूप समझ मे आई जाता है इसलिए हमारे माता पिता मंदिर जाने को कहते थे पर तब अबोध होने से मंदिर जाने से बचते थे । पर अब ऐसा नही करना है । प्रतिदिन हमे मंदिर आकर दर्शन पूजन विधानादि कार्य पूरे मनोयोग से करना चाहिए। इतिहास मे श्री राम हनुमान जी आदि भगवान के दर्शन, तप से भगवान बन गए। भगवत दर्शन हमे सम्यग्दर्शन का कारण हो सकते है। सम्यग्दर्शन कहते है सच्चे भगवान और गुरु पर विश्वास करना। वेदी प्रतिष्ठा विश्व शांति महायज्ञ कर विश्व शांति की कामना को लेकर उत्तम वर्षा की भावना के साथ हवन किया गया।

खबर संक्षेप

छात्रवृत्ति के आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

सीहोर। पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 की छात्रवृत्ति हेतु MPTAAS पोर्टल पर आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। जिन विद्यार्थियों ने अभी तक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन नहीं किया है वे अंतिम तिथि से पहले आवेदन कर दें। इसके साथ ही जिले की सभी शैक्षणिक संस्थाओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपनी संस्था में अध्ययनरत सभी पात्र विद्यार्थियों से छात्रवृत्ति का आवेदन कराएं।

आंगनबाड़ी कार्यकार्ता एवं सहायिका के लिए आवेदन आमंत्रित

सीहोर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आंगनबाड़ी सहायिकाओं के पूर्णतः अस्थाई एवं मानदेय आधारित मानसेवी रिक्त पदों के लिए निर्धारित योग्यताधारी पात्र महिलाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पात्र महिलाएं एमपी ऑनलाइन द्वारा तैयार चयन पोर्टल के माध्यम से 01 जुलाई से 13 जुलाई के बीच आवेदन कर सकती हैं। आवेदन में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। विस्तृत जानकारी चयन पोर्टल और संबंधित परियोजना कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

8 से 15 जुलाई तक लगेगा प्रवेश मेला

सीहोर। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय, अशासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में रिक्त सीटों पर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रवेश उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 8 से 15 जुलाई 2026 तक "प्रवेश मेला" आयोजित किया जा रहा है। अतिरिक्त सीएलसी राउंड के दौरान प्रवेश प्रक्रिया को गति देने एवं पात्र विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए यह अभियान संचालित किया जा रहा है। प्रवेश मेले के दौरान महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर पंजीयन, चॉइस फिलिंग एवं संशोधन, दस्तावेज सत्यापन, सीट आवंटन संबंधी मार्गदर्शन तथा शुल्क भुगतान की सुविधा उपलब्ध होगी जिससे विद्यार्थी उसी दिन अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे।

प्राइमरी कक्षाओं का कोर्स 4000-5000 का, इसमें 60 फीसदी कमीशन स्कूल का

निजी विद्यालयों की मनमानी, रिश्तेदार और चहेतों की दुकानों पर ही कोर्स व यूनिफॉर्म

इछावर। स्कूल के संचालक ने भाई की दुकान पर स्कूल का कोर्स रखा है।

इछावर। शिकायत पर बीआरसी अपनी टीम के साथ नगर के ब्रिलिएंट स्कूल पहुंचे और बच्चों से चर्चा की।

निर्धारित एक ही दुकान पर कोर्स और युनिफॉर्म होने के कारण पालकों को इसकी भारी-भरकम रकम चुकानी पड़ रही है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ इछावर

निजी विद्यालयों की मनमानी और शिक्षा के व्यवसायीकरण पर रोक लगाने के लिए सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 में सख्त कानूनों का प्रावधान किया है , लेकिन प्रशासनिक अनदेखी के कारण तहसील क्षेत्र में संचालित निजी स्कूल प्रबंधन जमकर मनमानी कर रहे हैं। स्थित यह है कि स्कूल और दुकानदारों के बीच टाईअप है, जिसमें पालकों को तय दुकान से ही किताब - कॉपी व युनिफॉर्म लेने को मजबूर होना पड़ रहा है। निर्धारित एक ही दुकान पर कोर्स और युनिफॉर्म होने के कारण पालकों को इसकी भारी-भरकम रकम चुकानी पड़ रही है। कक्षा 1 से 5 तक कोर्स की किताबें 4-5 हजार रुपए में मिल रही है। जबकि युनिफॉर्म , जूते , टाई और बेल्ट आदि की मोटी रकम अलग से चुकानी पड़ती है। दरअसल जानकारी के अनुसार दुकानदारों को 60 फीसदी कमीशन स्कूल प्रबंधन को देना पड़ रहा है। यही कारण है कि सभी सामग्री के रेट फिक्स है। हरिभूमि रिपोर्टर ने दुकानों पर पहुंचकर अलग-अलग स्कूलों के कोर्स और युनिफॉर्म आदि सामग्री के रेट पूछें साथ ही साथ ही कितनी दुकानों पर उपलब्ध है यह पूछने पर पता चला कि इसके लिए स्कूलों की दुकानें निर्धारित है। सिर्फ उसी पर कोर्स और युनिफॉर्म मिलेगा जिससे स्कूल प्रबंधन का टाईअप है। लेकिन खासबात यह है कि प्रशासनिक अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

प्रायमरी का कोर्स 4000 - 5000 रुपयें तक वह भी एक ही दुकान पर उपलब्ध

हरिभूमि रिपोर्टर ने नगरीय क्षेत्र में संचालित ब्रिलियंट स्कूल के कोर्स की लिस्ट ली । स्कूल से पता किया तो बताया गया कि नगर में सिर्फ एक चयनित दुकान श्याम जी स्टेशनरी पर ही कोर्स मिलेगा। दुकान संचालक ने बताया कि नर्सरी कक्षा का पूरा कम्प्लीट कोर्स लगभग 4500 रुपए , एलकेजी कक्षा का पूरा कम्प्लीट 5000 कक्षा रुपए का मिलेगा। इसी प्रकार विश्व ज्योति कांवेंट स्कूल का कोर्स नर्सरी क्लास का 3500 का एवं आइडियल स्कूल का करीब 5000 में मिल रहा है।

सबकी युनिफॉर्म पर, रेट फिक्स - सिर्फ कॉपी

किताबों पर ही नहीं बच्चों की युनिफॉर्म पर भी स्कूल और दुकानदारों का एकाधिकार है। टाईअप के अनुसार लगभग सभी स्कूलों की युनिफॉर्म एक मात्र गारमेंट्स पर ही मिल रही है। इस दुकान पर ब्रिलियंट स्कूल , विश्व ज्योति कांवेंट , जीपीएम , आइडियल, संस्कार से लेकर लगभग सभी स्कूलों की युनिफॉर्म का ठेका है। रिपोर्टर ने नगर की आधा दर्जन से अधिक रेडीमेड दुकानों पर युनिफॉर्म खोजीं, लेकिन दुकान संचालकों ने बताया कि सिर्फ एक दुकान पर ही मिलेंगी। इससे पहले भी ठेकें होते रहे है। स्कूल वाले कमीशन भी एडवांस में ले लेते हैं।

स्कूलों की मोनोपॉली, दुकानें व कमीशन फिक्स

स्कूल प्रबंधन का भारी-भरकम और एडवांस में लिए जाने वाले कमीशन के कारण छोटे स्टेशनरी दुकानदार तो स्कूलों के कोर्स का व्यवसाय तो कर ही नहीं पाते है। बड़े दुकानदारों की आपसी अंडरस्टैंडिंग के कारण स्कूल बटें हुए हैं। अधिकांश बुक्स प्रायवेट पब्लिकेशन की होती है । जिसमें 40-50 पेज की बुक 400-500 रुपए की होती है। एक स्टेशनरी संचालक ने बताया कि कोर्स की कीमत और किताबों पर एमआरपी अधिक इसलिए रखनी पड़ती है , क्योंकि इसमें से करीब 50 प्रतिशत कमीशन तो स्कूल वालों को चला जाता है।

अधिनियम में ऐसा करना अपराध , एक लाख तक के जुर्माने का प्रावधान

मध्यप्रदेश निजी विद्यालय अधिनियम 2017 की धारा 6 एवं निजी विद्यालय नियम 2020 के नियम 6(1)(घ) में स्पष्ट उल्लेख है कि निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यार्थी या अभिभावक को किताब - कॉपी , युनिफॉर्म , टाई , जूते, बेग आदि चयनित दुकानों से खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। ऐसी शिकायत मिलने पर नियम 2020 के नियम 9 के तहत स्कूल प्रबंधन पर 1 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाने की कार्रवाई की जाएगी। लेकिन तहसील क्षेत्र में खुलेआम नियमों का मखौल उड़ाया जा रहा है , लेकिन इसके बावजूद प्रशासन द्वारा अभी तक किसी भी स्कूल के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

अधिकारियों को किया गुमराह

बुधवार को बीआरसीसी सुभाष चन्द्र दुबे के नेतृत्व में गठित दल ने ब्रिलियंट स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम द्वारा कोर्स की उपलब्धता वाली दुकानों के बारे में जानकारी मांगी तो स्कूल संचालक परमार ने दो दुकानों पर कोर्स की बिक्री होने की बात कही। पहली श्यामजी स्टेशनरी जो कि स्कूल संचालक के भाई की है जबकि दूसरी दुकान का नाम जेन स्टेशनरी बताया। टीम ने जब जेन स्टेशनरी संचालक से जानकारी चाही तो उन्होंने साफ तौर पर उक्त स्कूल के कोर्स की बिक्री से इनकार कर दिया।

जांच कर रहे हैं

बीआरसी की एक टीम गठित की गई है जो यह सुनिश्चित कर रही है कि स्कूल प्रबंधन द्वारा छात्रों या पालकों को चिन्हित दुकानों पर तो नहीं भेज रही है। जो भी स्कूल संचालक नियमों की अनदेखी कर रहे है उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सुभाष चंद्र दुबे, बीआरसीसी

जांच कर की जाएगी सख्त कार्रवाई

यह मामला मेरे संज्ञान में आया है जल्दी ही जांच टीम बनाकर जांच कराई जाएगी। दोषी पाए जाने पर स्कूल संचालक के खिलाफ नियम अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मानसिंह नेटी, बीईओ इछावर

मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन 31 अगस्त तक

सीहोर। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना के वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। योजना के क्रियान्वयन हेतु एनआईसी मध्यप्रदेश के सहयोग से स्पर्श पोर्टल पर नई ऑनलाइन प्रणाली विकसित की गई है, जिसके माध्यम से पात्र दिव्यांग छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण रविन्द्र परमार ने बताया कि जिले में अध्ययनरत पात्र दिव्यांग छात्र-छात्राएं 31 अगस्त 2026 तक स्पर्श पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड करने के साथ ही ऑफलाइन आवेदन संबंधित संस्था प्रमुख के माध्यम से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सीहोर कार्यालय में जमा करना होगा। योजना के अंतर्गत दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित, अस्थिबाधित तथा मंदबुद्धि श्रेणी के विद्यार्थियों को निर्धारित पात्रता के अनुसार लैपटॉप प्रदान किए जाएंगे। दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित एवं मंदबुद्धि विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त होने पर कक्षा 10वीं में प्रथम प्रवेश अथवा आईटीआई में प्रवेश लेने पर लैपटॉप दिए जाने का प्रावधान है। वहीं अस्थिबाधित विद्यार्थियों के लिए 9वीं कक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त ऐसे अस्थिबाधित विद्यार्थी, जिनके शरीर का निचला भाग प्रभावित होने के कारण चलने में असमर्थता हो तथा जिनकी दिव्यांगता 60 प्रतिशत या उससे अधिक हो, उन्हें कक्षा 10वीं में प्रथम प्रवेश अथवा स्नातक स्तर पर प्रवेश लेने पर मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदान की जाएगी। जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों, जनपद पंचायतों, नगरीय निकायों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए है कि वे पात्र दिव्यांग छात्र-छात्राओं के आवेदन निर्धारित समय सीमा में कराना सुनिश्चित करें, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी योजना का लाभ ले सकें।

श्रमिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन 31 अक्टूबर तक

सीहोर। श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के अंतर्गत बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के अध्ययनरत संतानों को स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को पात्र विद्यार्थियों तक योजना की जानकारी पहुंचाने तथा समय-सीमा में आवेदन एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर एक जून से प्रारंभ हो चुके हैं। पात्र विद्यार्थी 31 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं।

किसानों की समस्याओं को लेकर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बुधनी

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं किसान कांग्रेस ने गुरुवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार राकेश खजूरिया को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसानों को समय पर खाद,डीजल और बिजली उपलब्ध कराने सहित छह प्रमुख मांगें रखी गईज्ञापन में मांग की गई कि क्षेत्र की सभी खाद वितरण समितियों पर पर्याप्त मात्रा में खाद की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित की जाए खाद वितरण में लागू टोकन व्यवस्था को समाप्त कर किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार खाद उपलब्ध कराई जाए साथ ही मूंग खरीदी में कोटा प्रणाली समाप्त करते हुए किसानों द्वारा उत्पादित पूरी फसल की खरीदी किए जाने की मांग भी उठाई गई।

कांग्रेस नेताओं ने किसानों को निर्धारित समयानुसार निर्बाध एवं पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की इसके अलावा किसानों को डीजल वितरण में की जा रही मात्रा संबंधी सीमाओं को समाप्त कर पर्याप्त डीजल उपलब्ध कराने की बात कही गई कृषि कार्यों के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की वहीं पटवारियों द्वारा रिकॉर्ड दुरुस्ती के दौरान किसानों की जमीनों की सीमाओं में बदलाव किए जाने का मुद्दा भी उठाया गया।

कांग्रेस नेताओं ने विवाद की स्थिति को देखते हुए एक बार पुनः जमीनों के रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच कराने और त्रुटियों का निराकरण करने की मांग की, कहा की कई किसान इस समस्या से परेशान है। इस अवसर पर ब्लॉक वरिष्ठ कांग्रेस नेता तारिक पटेल,किसान नेता छगन दुबे,कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष योगेश राजपूत सोनू एवं किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष हरीश मीणा सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे ज्ञापन में किसानों के हित में शीघ्र प्रभावी कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से गोविंद आंकरे, मनजीत सिंह राजपूत, मंडलम अध्यक्ष हरीश मालवीय, किसान नेता बहोरन दायमा, माखन मीणा, प्रमोद चौहान, आमिर पटेल, युवक कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ दुबे, पुरुषोत्तम मीणा, ओपी मालवीय, कपिल मल्होत्रा, हेमंत वर्मा,सुशील मीणा, भूपेंद्र निमोदा, सुरेश कुमरे, राजकुमार ठाकरे, मोहन कुमार, उमेश विश्वकर्मा, बृजलाल बनिया, संतोष निमोदा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पटवारी और भाजपा नेता की नोक-झोंक का आडियो वायरल राजस्व मंत्री के क्षेत्र में पटवारी की दबंगई - कहा मैं एसडीएम कलेक्टर, मंत्री किसी से नहीं डरता, खुद में सक्षम हूं...

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा के ग्रह क्षेत्र इछावर में एक पटवारी और भाजपा नेता के बीच मोबाइल फोन पर हुई नोंक-झोंक का एक ऐसा ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने पटवारी की दबंगई और प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। मामला तहसील के दीवड़िया गांव के एक किसान की फार्मर आईडी बनाने को लेकर बताया जा रहा है। जहां दीवड़िया हल्का में तैनात पटवारी ऋषि यादव का एक कथित ऑडियो सामने आया है।

इस ऑडियो में पटवारी न केवल अपनी दबंगई दिखा रहे हैं, बल्कि भाजपा नेता व जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि को भी खुली धमकी देते हुए सुनाई दे रहे हैं।ऑडियो में क्या है पूरा मामला - दीवड़िया के एक किसान के कुछ काम को लेकर भाजपा नेता एवं जपं उपाध्यक्ष प्रतिनिधि शंकर जयसवाल द्वारा पटवारी को फोन किया गया , जिसमें दोनों के बीच जमकर नोंक-झोंक हुई। वायरल ऑडियो में पटवारी ऋषि यादव की भाषा बेहद आपत्तिजनक है। उन पर आरोप है कि वे रिश्वत लेने के बाद भी आम जनता के काम नहीं कर रहे हैं। जब इस संबंध में उनसे सवाल किया गया, तो उन्होंने अपनी सत्ता और रसूख का रौब झाड़ते हुए मर्यादा की सभी सीमाएं लांघ दीं।दावा किया जा रहा है कि ऑडियो में पटवारी और जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि व जिला महामंत्री शंकर जयसवाल सहित भाजपा के एक स्थानीय नेता को खरी-खोटी सुनाते हुए धमकी देते सुनाई दे रहे हैं।

पटवारी ने तंज कसते हुए कहा, डेढ़ सौ रुपए के कुर्ता-पजामा पहन लिए तो रौब झाड़ने लगे। पटवारी का ऑडियो में यह कहते हुए सुना जा सकता है कि मैं एसडीएम, कलेक्टर, विधायक और मंत्री किसी से नहीं डरता। मैं खुद भाजपा का कार्यकर्ता हूं और स्वयं में सक्षम हूं। उनका यह बयान चर्चा का विषय बना हुआ है । उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह शिवराज सिंह चौहान (पूर्व सीएम) से डरता हूं, न किसी मंत्री से और न ही आपसे।अपनी दबंगई का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने यहाँ तक कह दिया कि उन्होंने घाट-घाट का पानी पिया है जिसका अर्थ वह अपनी प्रशासनिक पहुंच और अनुभव से जोड़ रहे हैं।यह ऑडियो सामने आने के बाद क्षेत्र के किसानों और जनप्रतिनिधियों में भारी आक्रोश है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि एक सरकारी पद पर बैठा व्यक्ति इतनी बेलगाम भाषा का उपयोग कैसे कर सकता है, क्या रिश्वतखोरी और अभद्र व्यवहार करना अब एक सरकारी सेवक का काम बन गया है।

मैंने घाट-घाट का पानी पिया है। मैंने न शिवराज से डरता हूं, न मंत्री से... डेढ़ सौ रुपए के कुर्ता-पजामा पहन लिए तो रौब झाड़ने लगे। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने इस वायरल ऑडियो की निष्पक्ष जांच की मांग की है। सोशल मीडिया पर भी यह ऑडियो चर्चा का विषय बना हुआ है, और लोग प्रशासन से कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं। अब देखना यह है कि क्या जिला प्रशासन इस दबंग पटवारी पर कोई कार्रवाई करता है या मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा। हालांकि हरिभूमि इस ऑडियो की पुष्टि नहीं करता है।

सीवन पुत्र टीम यमुना की तट पर करेगी दीप प्रज्वलन

देंगे समस्त नदियों को संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

107 दिन पूर्ण होने के अवसर पर सीवन पुत्र टीम शुक्रवार को मथुरा एवं वृंदावन के लिए रवाना होंगे। इस टीम का नेतृत्व पंडित मोहित राम पाठक एवं कथावाचक चेतन उपाध्याय करेंगे। साथ ही यात्रा के प्रेरक के रूप में समाजसेवी प्रदीप साबू, डॉ.प्रदीप सिंह चौहान एवं ब्रजेश पाराशर साथ रहेंगे। वृन्दावन में संत प्रेमानंद महाराज के आशीर्वाद से श्री हित राधा केली कुंज परिक्रमा मार्ग पर दीप प्रज्वलन एवं सत्संग का आयोजन किया जाएगा।

साथ ही देवरा घाट,वृन्दावन पर देवराज स्वामी के सानिध्य ने दीप महोत्सव का आयोजन किया । मथुरा के विश्राम घाट पर दीप प्रज्वलन पूरे विधि विधान से पंडित ओम चतुर्वेदी (दादा जी) के द्धारा करवाया जाएगा। जाएगा,दोनों जगह पर सीवन पुत्र नदियों के संरक्षण का संदेश पूरे देश के लिए देंगे,सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया कि सीवन के साथ देश की प्रमुख नदियों के नाम से पुत्र एवं पुत्री बनाये जा रहे हैं। जो नदी संरक्षण एवं स्वच्छता का धयन रख रहे हैं।

इस यात्रा में सीवन पुत्र के रूप में राधेश्याम मकवाना, मुकेश राय, कैलाश चव्हाण, लक्ष्मण सिंह चौकसे, विल्सन जैन, संतोष मेवाड़ा, कृष्णा प्रजापति आदि रवाना होंगे। कल की धार्मिक कार्यक्रम में प्रकाश यादव, वैभव राठौर, केशव साबू, पर्व साबू, विजय गुप्ता, कनीराम मालवीय, राजकुमार सोनी, सुरेश भगत, अशोक नामदेव, नितेश जायसवाल, उमेश चावड़ा, रवि महेश्वरी, देवेश सिसोदिया आदि के साथ सीहोर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे ।

40 करोड़ की लागत से बन रही सड़क पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती ने लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत बन रही पुराने भोपाल इंदौर मार्ग पर ग्राम पचामा के पास एक सडक़ के निर्माण कार्य में भारी लापरवाही और सीधे तौर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता और उसकी योजना पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा कि इसमें जनता की गाढ़ी कमाई के पैसे का खुलेआम दुरुपयोग हो रहा है।

एक बिजली के ट्रांसफार्मर और पोल के सामने खड़े होकर राजीव गुजराती ने कहा कि नियमानुसार किसी भी सडक़ के चौड़ीकरण या निर्माण से पहले पोल शिफ्टिंग बिजली के खंभे हटाना और रोड लेवल सडक़ का समतलीकरण किया जाता है। लेकिन यहाँ विभाग की कार्यशैली बिल्कुल उल्टी है। आप यहाँ देख सकते हैं कि पहले सडक़ का सरफेस बना दिया गया, उस पर डामर की एक लेयर भी बिछा दी गई और अब ये पोल यहाँ से उखाड़े जाएंगे। आप खुद समझ सकते हैं कि बाद में पोल उखाडऩे से इस नवनिर्मित सडक़ की मजबूती का क्या हाल होगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने बताया कि लगभग 40 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से इस सडक़ का काम किया जा रहा है, लेकिन इसकी गुणवत्ता इतनी घटिया है कि पहली ही बरसात में सडक़ जगह-जगह से धंसने लगी है। उन्होंने आगे कहा कि अगर आगे जाकर देखा जाए, तो नवनिर्मित नालियाँ भी अभी से टूट चुकी हैं। गाड़ी तेज चलाने पर सडक़ का असंतुलन साफ महसूस होता है।

राजीव गुजराती ने इस पूरे मामले को विभाग की घोर लापरवाही और सीधा भ्रष्टाचार करार दिया है। उन्होंने मांग की है कि इस पूरे घटिया निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच की जाए। संबंधित ठेकेदार और गैर-जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ तत्काल सख्त कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई की जाए। जनता के पैसे की इस तरह बर्बादी को तुरंत रोका जाए।

शहर के बीचों बीच स्टंटबाजी का खेल, बाल-बाल बचे बाइक सवार और पैदल राहगीर

ब्यावरा में सरेआम 'स्टंटबाजी: रसूख की रफ्तार में ट्रैफिक नियमों की उड़ीं धज्जियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ब्यावरा

शहर के बीचों-बीच ट्रैफिक नियमों को ठेंगा दिखाते हुए हुड़दंगबाजी का एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। कुछ मनचले और बेखौफ युवकों ने शहर के सिटी थाना के सामने से पीपल चैराहे की ओर जा रहे थे। सड़कों पर कानून-व्यवस्था का जमकर मखौल उड़ाया। फोर व्हीलर वाहन से शहर के कन्याषाला स्कूल के सामने स्टंटबाजी करने वाले युवाओ को पुलिस का कोई खौफ नहीं है, करीब 4-5 फोर व्हीलर वाहनों के गेट खोलकर कार के दोनो तरफ खड़े होकर स्टंट बाजी कर रहे थे। जहा पर कुछ बाइक सवार इनकी चपेट में आने से बाल-बाल बच गए।

आखिर कहां गायब हो गई शहर की व्यवस्था देखने वाली पुलिस?

शहर के बीच बाजार में अचानक 4 से 5 कारों का एक काफिला निकला। रैली की शक्ल में चल रही इन कारों की रफ्तार जितनी तेज थी, उससे कहीं ज्यादा तेज युवाओं का दुस्साहस था। गाड़ियों के दरवाजे खोलकर उन पर लटके ये लड़के न सिर्फ अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य राहगीरों और वाहन चालकों के लिए भी बड़ी मुसीबत बने हुए थे। इनके द्वारा शहर में सरेआम अव्यवस्था फैलाई जा रही थी, ऐसे में क्या पुलिस थाना से लेकर पीपल चैराहे तक शहर की व्यवस्था में ड्यूटी लगने वाली पुलिस कहा गायब हो गई? प्रत्यक्षदर्शीयों का कहना है कि पुलिस इन लोगों पर कार्रवाही करने के बजाय तमाषा देखती रही।

ब्यावरा सिटी थाना पुलिस को स्टंट बाजों की खुली चुनौती

हैरानी की बात यह है कि यह पूरा तमाशा ब्यावरा शहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुआ। इस हुड़दंग ने पुलिस की मुस्तैदी पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। जब रसूख और रील का भूत सिर चढ़कर बोलता है तो आम जनता की सुरक्षा कैसे भगवान भरोसे छोड़ दी जाती है यह नजारा साफ देखने को मिला। बड़ा सवाल यह है कि क्या शहर की सड़कों पर इस तरह के जानलेवा स्टंट करने की खुली छूट है? अगर इन गाड़ियों की चपेट में आकर कोई बड़ा हादसा हो जाता, तो इसका जिम्मेदार कौन होता? सोशल मीडिया पर रील चमकाने और रौब झाड़ने के चक्कर में बीच शहर में की गई इस स्टंटबाजी से ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई।

सीसीटीवी कैमरे क्या कार्रवाई में होंगे सहायक लोगों को इंतजार

बीच सड़क पर कानून की धज्जियां उड़ाने का यह वीडियो। ब्यावरा पुलिस के लिए यह साख का सवाल बन चुका है। अब देखना है कि क्या ब्यावरा पुलिस इन गाड़ियों के नंबर ट्रैक कर इन पर सख्त कानूनी शिकंजा कसती है? या फिर हर बार की तरह मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा? जनता अब टकटकी लगाए देख रही है कि पुलिस प्रशासन इन 'सड़क के सुल्तानों' पर क्या और कितनी जोरदार कार्रवाई करता है, क्योंकि इनके सबूत के तौर पर शहर में जगह-जगह लग रहे सीसीटीवी कैमरों में पुलिस थाना में पूरी घटना कैद हो चुकी है।

इनका कहना है

शहर में इस प्रकार की हरकत करने वाले को छोड़ा नहीं जाएगा, मैं पुलिस टीम को भेजकर मामला दिखवाता हूं।

-शिवराजसिंह चौहान, थाना प्रभारी सिटी थाना ब्यावरा

ग्राम पंचायत मानपिछोड़ी के मोयली खुर्द का मामला

सीएम हेल्पलाइन की शिकायत वापस लेने के दबाव में मारपीट, एफआईआर नहीं लिखने पर खाया जहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरावर

राजगढ़ जिले के कुरावर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मानपिछोड़ी में मंगलवार को एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया जिसने पंचायत व्यवस्था और पुलिस कार्यप्रणाली दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। सीएम हेल्पलाइन पर सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण में कथित अनियमितता और राशन कार्ड में नाम नहीं जोड़े जाने की शिकायत करने वाले दो भाइयों के साथ पंचायत भवन में मारपीट किए जाने का आरोप है। वहीं पीड़ित का कहना है कि शिकायत के बाद कई घंटे तक पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की, जिससे आहत होकर उसने थाने परिसर में ही कीटनाशक पी ली। घटना के बाद देर रात करीब 10 बजे पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

जानकारी के मुताबिक मानपिछोड़ी के आश्रित ग्राम मोयली खुर्द निवासी रामनिवास मीणा एवं उनके बड़े भाई हरिनारायण मीणा ने कुछ समय पूर्व सीएम हेल्पलाइन (181) पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में सीमेंट कांक्रीट सड़क का निर्माण किए बिना ही राशि निकाल ली गई है। साथ ही राशन कार्ड में परिवार के सदस्य का नाम नहीं जोड़े जाने की शिकायत भी दर्ज कराई गई थी।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मंगलवार दोपहर करीब एक बजे पंचायत सचिव चैनसिंह चैधरी का फोन आया और दोनों भाइयों को ग्राम पंचायत कार्यालय बुलाया गया। आरोप है कि वहां पहले से सरपंच रामनारायण मीणा, उनके शिक्षक भाई रामराज मीणा तथा भतीजा आनंद मीणा सहित अन्य लोग मौजूद थे। हरिनारायण मीणा के अनुसार पंचायत भवन पहुंचने के बाद उनसे सीएम हेल्पलाइन की शिकायत वापस लेने के लिए कहा गया। जब उन्होंने शिकायत वापस लेने से इनकार किया तो विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि गाली-गलौज करते हुए दोनों भाइयों के साथ लात-घूंसों और डंडों से मारपीट की गई। पीड़ितों का कहना है कि घटना का वीडियो बनाने का प्रयास किया तो रामनिवास का मोबाइल छीन लिया गया। धक्का-मुक्की के दौरान उनका पर्स भी गायब हो गया। और रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी दी गई।

सचिव के फोन पर पंचायत पहुंचे, शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने का आरोप

डायल-112 पर सूचना, फिर भी कई घंटे तक नहीं हुई एफआईआर

घटना के तुरंत बाद दोनों भाइयों ने डायल-112 पर सूचना दी और दोपहर करीब दो बजे कुरावर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि कई घंटे तक उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित पक्ष का कहना है कि बार-बार निवेदन करने के बावजूद उपनिरीक्षक अरविंद सिंह राजपूत ने तत्काल अपराध दर्ज नहीं किया। पीड़ितों का आरोप है कि पुलिस कार्रवाई में हो रही देरी से परेशान होकर रामनिवास मीणा ने शाम के समय थाने परिसर में ही कीटनाशक दवा पी ली। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए भोपाल रेफर कर दिया।

दोनों पक्षों की शिकायत पर दर्ज किए प्रकरण

ग्राम पंचायत सचिव चैनसिंह चौधरी ने भी कुरावर थाने पहुंचकर रामनिवास एवं हरिनारायण मीणा के खिलाफ मारपीट एवं शासकीय कार्य में बाधा डालने सहित अन्य आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। खाद्यान्न पोर्टल का सर्वर डाउन होने के कारण राशन कार्ड में नाम नहीं जुड़ पाया था। इसी बात को लेकर दोनों भाई आक्रोशित हो गए और उनके साथ मारपीट करने लगे। उनका कहना है कि सरपंच रामनारायण मीणा, उनके भाई रामराज मीणा एवं आनंद मीणा बीच-बचाव करने पहुंचे थे। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पीड़ित का आरोप सड़क बनी नहीं, राशि निकाली

पीड़ित हरिनारायण मीणा का कहना है कि सीएम हेल्पलाइन पर इसलिए शिकायत की थी क्योंकि गांव में सीमेंट कांक्रीट सड़क का निर्माण नहीं हुआ, लेकिन उसका भुगतान कर दिया गया। साथ ही राशन कार्ड में नाम नहीं जोड़ा गया था। उनका आरोप है कि इन्हीं शिकायतों को वापस लेने का दबाव बनाया गया और मना करने पर मारपीट की गई। दोपहर दो बजे से रात तक थाने में बैठे रहे, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस की उदासीनता से परेशान होकर उनके भाई ने जहर खा लिया।

मामले को समझने में लगा समय

उपनिरीक्षक अरविंद सिंह राजपूत ने बताया कि दोनों पक्ष दोपहर में थाने आए थे। ग्राम पंचायत में सीएम हेल्पलाइन की शिकायत को लेकर विवाद हुआ था। फरियादी लूट का प्रकरण दर्ज कराने की मांग कर रहे थे, जबकि घटनाओं के अनुसार अलग-अलग अपराध दर्ज किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे मामले को समझने में समय लगा। बाद रात करीब 10 बजे दोनों पक्षों की शिकायत पर अपराध दर्ज कर लिया गया।

हाट बाजार के दिन लगे लंबे जाम से बेहाल लोग, प्रशासन से स्थाई समाधान की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जीरापुर

नगर में लगने वाले साप्ताहिक हाट बाजार के कारण मुख्य मार्ग पर आवागमन बाधित हो रहा है, जिससे वाहन चालकों सहित राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साप्ताहिक हाट-बाजार के दिन माचलपुर नाका से लेकर इंदर चैराहा और स्वामी विवेकानंद चैराहा तक यातायात अवरुद्ध हो गया। हाट बाजार में आसपास के दर्जनों गांवों से हजारों लोग खरीदारी के लिए नगर में आते हैं, जिससे जाम की स्थिति और विकट हो जाती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर परिषद, तहसील और पुलिस प्रशासन से कई बार शिकायत करने के बाद भी इसका स्थायी समाधान नहीं निकला है। जाम के कारण मरीजों और राहगीरों को अस्पताल पहुंचने में भारी दिक्कत होती है। नगर के अंदर बनने वाले सिटी पोर्शन का निर्माण कार्य होना था जिसको लेकर नगर में चर्चा भी जोरों पर हुई थी लेकिन क्या वजह बनी जो निर्माण कार्य होना था वह अधर में लटक गया।यदि निर्माण कार्य हो जाता तो आज यह स्थिति नहीं होती। इसके साथ ही दुकानदारों द्वारा सामान सड़क किनारे रखना और बाइक व अन्य वाहन बेतरतीब खड़े कर देने से भी यातायात अवरुद्ध हो रहा है।

सड़कें नहीं बनीं तो जूते-चप्पल नहीं पहनूंगाः विधायक घनश्याम चंद्रवंशी

मुख्यमंत्री बोलेः इसकी जरूरत नहीं,17 सड़कें स्वीकृत करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कालापीपल

कालापीपल, में गुरुवार को आयोजित किसान सम्मेलन में क्षेत्रीय विधायक घनश्याम चंद्रवंशी ने विधानसभा क्षेत्र की सड़कों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष भावुक घोषणा करते हुए कहा कि यदि क्षेत्र की लंबित सड़कों का निर्माण नहीं हुआ तो वे जूते-चप्पल नहीं पहनेंगे। कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार एवं सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी उपस्थित रहे। विधायक चंद्रवंशी ने मुख्यमंत्री को मांग-पत्र सौंपते हुए 48 सड़कों के उन्नयन, 16 नई सड़कों की स्वीकृति, नए राजस्व भवन के निर्माण तथा अरनियाकला में आर्ट्स एवं साइंस कॉलेज खोलने की मांग रखी। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि यदि प्रस्तावित 16 सड़कों की स्वीकृति नहीं मिली अथवा उनका निर्माण पूरा नहीं हुआ तो वे जूते-चप्पल का त्याग कर देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधायक की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 16 नहीं, 17 सड़कें देंगे। जूते-चप्पल छोड़ने की आवश्यकता नहीं है। जूते-चप्पल कांटों से बचाने और आगे बढ़ने के लिए होते हैं। अपनी बात और शब्दों का ध्यान रखना चाहिए। सरकार विकास कार्यों के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आपके साथ है। मुख्यमंत्री ने विधायक का मांग-पत्र स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया कि क्षेत्र के विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने लगभग 29 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया।

सौम्यता की मिसाल बने पृथ्वीराज, जन्मदिन पर समाजसेवा का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सारंगपुर

विधायक प्रतिनिधि पृथ्वीराज टेटवाल ने अपना जन्मदिन सेवा, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ मनाकर जनसेवा का प्रेरक संदेश दिया। उन्होंने दिन की शुरुआत बाबा महाकाल, भैंसवा माता, कपिलेश्वर महादेव एवं जीवनदायिनी माँ कालीसिंध की पूजा-अर्चना से की तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद गौशाला में गौपूजन, हरा चारा खिलाने और वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके पश्चात वे प्राथमिक विद्यालय तलेनी पहुँचे, जहाँ विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए। कन्या शाला में छात्राओं को शैक्षणिक सामग्री भेंट कर शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। विद्यालय परिवार ने उनकी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा व्यक्तिगत अवसरों को समाजहित से जोड़ना अनुकरणीय है। सेवा सदन स्थित कार्यालय पर विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों, सामाजिक संगठनों, युवाओं, मातृशक्ति एवं कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय स्वागत कर जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं। पूरे दिन शुभचिंतकों का तांता लगा रहा। इस अवसर पर पृथ्वीराज टेटवाल ने कहा, ''जनसेवा ही मेरा धर्म और समाज का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है।

लोगों का प्रेम, बड़ों का आशीर्वाद और बच्चों की मुस्कान ही मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है।'' उनका जन्मदिन सेवा, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का प्रेरक संदेश बन गया।इस दौरान मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद, शिक्षक अनिल पांडे,युवा नेता चिराग सोनी,योगेश माहेश्वरी,लल्ला बारकिया,मोहित हाडा सहित अन्य मौजूद थे।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस और किताबों की लूट, कांग्रेस सेवादल का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जीरापुर

नगर में कांग्रेस पार्टी द्वारा प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि और पुस्तक व यूनिफॉर्म के नाम पर हो रही लूट के विरोध में जिला शिक्षा अधिकारी के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि जिले भर में संचालित प्राइवेट स्कूलों द्वारा अभिभावकों से मनमानी फीस वसूली जा रही है। साथ ही निर्धारित दुकानों से ही महंगी किताबें एवं यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिससे आम परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। सबसे गंभीर बात यह है कि छब्म्त्ज् द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम एवं दरों को दरकिनार कर निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें छपवाकर स्कूलों के माध्यम से अभिभावकों को खरीदने पर मजबूर किया जा रहा है। जो किताबें एनसीईआरटी पर मात्र 100-150 रुपये में उपलब्ध हो सकती हैं, उन्हें कई गुना अधिक दाम पर बेचा जा रहा है। कांग्रेस ने इसे शिक्षा माफिया और स्कूल संचालकों की मिलीभगत बताते हुए कहा कि शिक्षा जैसे मूलभूत अधिकार का व्यवसायीकरण अब असहनीय स्तर पर पहुंच चुका है। ज्ञापन में की गई मांगे 'फीस वृद्धि पर तत्काल रोक' लगाई जाए। 'निजी विद्यालय (फीस विनियमन) अधिनियम 2017' का सख्ती से पालन किया जाए। सभी स्कूलों में 'केवल एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें' अनिवार्य की जाएं। यूनिफॉर्म और किताबें किसी भी दुकान से खरीदने की छूट दी जाए। प्रदर्शन में कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे। जिनमें नगर मुख्य संगठक भगवान सिंह मालवीय, तरूण चोबे, चंदरसिंह गुर्जर, गिरीराज सिंह बना, गोकुल वर्मा, राजाराम पाटीदार, रामलाल गुर्जर कहारखेड़ा, प्रेम सिंह राजाहेड़ी, कालूराम मालवीय, आनन्द गुप्ता, श्याम किरार, बीरम सिंह सोंधिया, राधेश्याम मालवीय, महेश सेन, निरंतर टेलर, वाहिद सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर संपन्न, नारायणसिंह तोमर बनाए गए नगर अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जीरापुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मध्यभारत प्रांत अंतर्गत नगर इकाई जीरापुर द्वारा कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर एवं नवीन नगर कार्यकारिणी का गठन किया गया। जहां पर जिला संयोजक शुभम शर्मा एवं प्रांत सहमंत्री उमा वैष्णव विशेष रूप से उपस्थित रहे। शुभारंभ परिषद गीत एवं परिचय सत्र के साथ हुआ। प्रशिक्षण शिविर में संगठन की कार्यपद्धति, कार्यप्रणाली, कार्यकर्ता आचरण, कार्य विस्तार एवं विद्यार्थी परिषद की विचार धारा पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला संयोजक शर्मा ने बताया कि विद्यार्थी परिषद केवल छात्रहितों की आवाज नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित एक सशक्त छात्र संगठन है। कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे महाविद्यालय एवं समाज में सक्रिय भूमिका निभाते हुए संगठन के कार्यों को प्रत्येक विद्यार्थी तक पहुंचाएं। प्रांत सहमंत्री उमा वैष्णव ने कहा कि संगठन की शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित होती है। उन्होंने नवनियुक्त कार्यकर्ताओं को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण भाव से करने तथा विद्यार्थी हित, समाज हित और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने की सलाह दी। इस अवसर पर नवीन नगर कार्यकारिणी में नगर अध्यक्ष नारायण सिंह तोमर , नगर उपाध्यक्ष रोहित मालवीय, अविनाश व्यास, दीपक दांगी, उमा सेन एवं नगर मंत्री विशाल दांगी सह मंत्री संजय पवांर, रामेश्वर पवांर, जगदीश दांगी, देवराज दांगी, अंकित दांगी, विक्रम सोंधिया, अश्विनी दांगी, रामकेलाश दांगी, रामचंद्र, आराधना सोनी, प्रिंस दांगी कार्यालय मंत्री गिरजा मालवीय महाविद्यालय प्रमुख लखन परमार टीना राठौर विद्यालय प्रमुख सुरेखा चौहान, जगदीश नागर आदि मौजूद रहे।

पहले ही अधिकारियों के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई गई थी

खड़ी फसल के बीच सीमांकन का आरोप, किसानों की मुआवजे की गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सारंगपुर

ग्राम बालोडी के किसानों ने खड़ी फसल एवं वर्षाकाल के दौरान भूमि सीमांकन किए जाने का आरोप लगाते हुए अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) को आवेदन देकर फसल नुकसान का मुआवजा दिलाने की मांग की है। आवेदन में अमरसिंह, हिम्मतसिंह, बनेसिंह, लक्ष्मणसिंह सहित अन्य किसानों ने बताया कि उन्हें 7 जुलाई 2026 को सर्वे क्रमांक 251, 685, 659 एवं 660 कुल रकबा 9.910 हेक्टेयर के सीमांकन की सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद 8 जुलाई को राजस्व अमले द्वारा सीमांकन की कार्रवाई की गई। किसानों का आरोप है कि सीमांकन के समय खेतों में खड़ी फसल थी तथा वर्षाकाल भी शुरू हो चुका है। उन्होंने पहले ही अधिकारियों के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई थी, इसके बावजूद राजस्व अमले ने पुलिस बल एवं बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी में सीमांकन कर देने से फसल को नुकसान पहुंचा है। आवेदन में किसानों ने मध्यप्रदेश शासन के राजस्व विभाग के उस प्रावधान का भी उल्लेख किया है, जिसमें खड़ी फसल एवं वर्षाकाल के दौरान सीमांकन नहीं किए जाने का उल्लेख होने का दावा किया गया है। किसानों का कहना है कि नियमों की अनदेखी कर कार्रवाई की गई, जिससे उन्हें आर्थिक क्षति उठानी पड़ी।किसानों ने एसडीएम से मांग की है कि फसल नुकसान का सर्वे कराकर उन्हें उचित मुआवजा दिलाया जाए तथा भविष्य में खड़ी फसल और वर्षाकाल के दौरान सीमांकन जैसी कार्रवाई से बचा जाए। अब देखना होगा प्रशासन आगे क्या कार्यवाही करता है। ज्ञापन देने वालों में वीरेन्द्र राजपूत, जितेंद्र राजपूत बालू सिंह सहित ग्रामीण मौजूद थे।

खबर संक्षेप

विष्णु के आत्म विश्वास सपनों को मिली उड़ान

सीहोर। शासन द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग के समग्र कल्याण और उन्हें सम्मानजनक एवं आत्मनिर्भर जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन्हीं में से एक है एडिप योजना जो दिव्यांगजनों के जीवन में नई रोशनी और आत्मविश्वास का संचार कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे जरूरतमंदों को समय पर आवश्यक सहायता मिल रही है। सीहोर जिले के ग्राम सेमरादांगी निवासी विष्णुप्रसाद के लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं है। जब उन्हें इस योजना को लेकर जानकारी मिली कि सामाजिक न्याय विभाग द्वारा सीहोर में विशेष शिविर आयोजित कर दिव्यांगजनों को ऑन द स्पॉट कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए जाएंगे, तो वे निर्धारित समय पर शिविर में पहुंचे। शिविर में उनका पंजीयन किया गया और विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण उपरांत उन्हें वहीं निशुल्क कृत्रिम पैर प्रदान किया गया। साथ ही उन्हें उपयोग में सुविधा के लिए आरामदायक जूते भी निःशुल्क उपलब्ध कराए गए। कृत्रिम पैर प्राप्त करने के बाद विष्णुप्रसाद के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। उन्होंने कहा कि अब वे पहले की अपेक्षा अधिक सहजता से अपने दैनिक कार्य कर सकेंगे और आत्मनिर्भर जीवन जी पाएंगे। उन्होंने प्रदेश सरकार एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जीवन में एक नया मोड़ लेकर आई है।

जिले में औसत 354.2 मिमी वर्षा दर्ज

सीहोर। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त दैनिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार 09 जुलाई 2026 को जिले में औसतन 5.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक 26.0 मिमी वर्षा बुधनी तहसील में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा रेहटी में 12.6 मिमी तथा सीहोर में 1.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई। श्यामपुर, आष्टा, जावर, इछावर एवं भैरूंदा तहसीलों में वर्षा दर्ज नहीं की गई। 01 जून 2026 से 09 जुलाई 2026 तक जिले में औसतन 354.2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है, जबकि इसी अवधि में गत वर्ष 328.4 मिमी वर्षा हुई थी। तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार आष्टा में सर्वाधिक 490.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इसके अलावा जावर में 429.0 मिमी, भैरूंदा में 389.0 मिमी, इछावर में 373.0 मिमी, रेहटी में 343.4 मिमी, सीहोर में 323.8 मिमी, बुधनी में 289.0 मिमी तथा श्यामपुर में 196.3 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

किसान कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

किसान कांग्रेस ने 100% मूंग खरीदी कर ई-टोकन बंद करने की मांग रखी

किसान कांग्रेस ने समस्या नहीं सुलझी तो बड़ा आंदोलन करने दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा

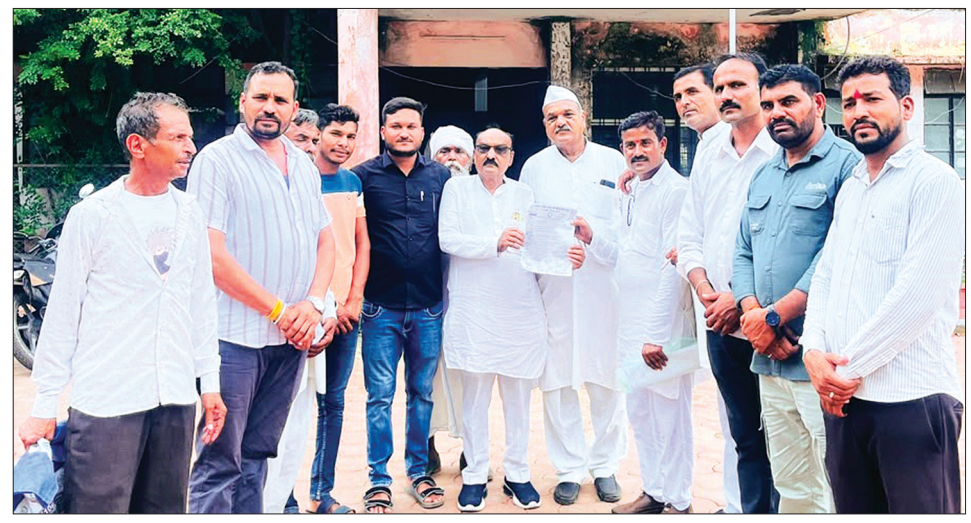

क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को लेकर गुरुवार को ब्लॉक किसान कांग्रेस भैरुंदा ने तहसील कार्यालय पहुंचकर राज्यपाल के नाम तहसीलदार सौरभ शर्मा को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने साफ शब्दों में कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।ब्लॉक किसान कांग्रेस अध्यक्ष मोरसिंह राजपूत के नेतृत्व में पहुंचे किसानों ने सबसे प्रमुख मांग मूंग की 100 प्रतिशत खरीदी की रखी। किसानों का कहना है कि सरकार प्रति एकड़ 5 क्विंटल के हिसाब से मूंग की खरीदी सुनिश्चित करे, क्योंकि वर्तमान में उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। छोटे किसान परेशान मजबूरन मंडियों में ओने पौने दामों पर व्यापारियों को उनकी उपज बेचने को मजबूर है। इसके साथ ही किसानों ने ई-टोकन प्रणाली को बंद करने की मांग उठाई। उनका कहना है कि यह व्यवस्था किसानों के लिए परेशानी का कारण बन रही है और खरीदी प्रक्रिया को जटिल बना रही है। वहीं खाद की कमी को लेकर भी किसानों ने नाराजगी जताते हुए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने की मांग की।ज्ञापन में पट्टाधारी किसानों को भी अन्य किसानों की तरह खाद देने की बात कही गई। इसके अलावा वर्ष 2025 की खरीफ फसल का बीमा दिलाने और मक्का, धान व सोयाबीन की समर्थन मूल्य पर खरीदी सुनिश्चित करने की मांग भी रखी गई।क्षेत्र के किसानों ने रेलवे और हाईवे में भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को बाजार मूल्य का चार गुना मुआवजा देने की मांग उठाई। साथ ही बढ़े हुए बिजली बिलों पर रोक लगाने और किसानों पर दर्ज बिजली संबंधी प्रकरणों को वापस लेने की भी मांग की गई।किसान कांग्रेस पदाधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो आगामी समय में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। आंदोलन के दौरान किसी भी प्रकार की स्थिति की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

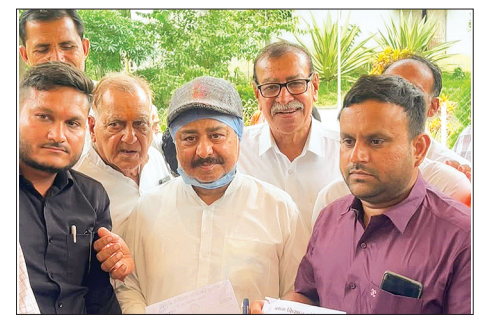

गांव की बेटी ने बढ़ाया मान सरकार देगी 1.20 लाख रु.

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा

तहसील भैरुंदा क्षेत्र के ग्राम तजपुरा की एक बेटी ने पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन कर गांव और स्कूल का नाम रोशन किया है। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल तजपुरा की छात्रा कुमारी ऋषिका पंवार (मितावलिया) ने कक्षा 12वीं (बायो समूह) में 87.2 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल में पहला स्थान प्राप्त किया है।

ऋषिका, धर्म सिंह मितावलिया की बेटी हैं। उनकी इस सफलता से परिवार और गांव में खुशी का माहौल है। जैसे ही रिजल्ट आया, बधाई देने वालों का तांता लग गया।इस उपलब्धि पर जनपद सदस्य और शिक्षा समिति भैरूंदा के सदस्य धर्मेन्द्र पंवार (गोलू भैया) ऋषिका के घर पहुंचे। उन्होंने बेटी को पौधा भेंट कर सम्मानित किया और पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऋषिका ने पूरे वार्ड क्रमांक 17 का नाम रोशन किया है और आगे भी जीवन की हर परीक्षा में इसी तरह सफल हो।सरकार देगी 1.20 लाख का इनामधर्मेन्द्र पंवार ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा स्कूल में प्रथम आने वाले छात्र-छात्राओं को 1 लाख 20 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। इस राशि का उपयोग विद्यार्थी अपनी पढ़ाई के लिए कर सकते हैं, साथ ही जरूरत हो तो स्कूटी भी खरीद सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऋषिका को भी जल्द ही इस योजना का लाभ मिलेगा।स्कूल स्टाफ ने भी दी शुभकामनाएं।ऋषिका की इस सफलता पर स्कूल के प्राचार्य रमेश चंद पंवार, आशीष पाल, सुरेंद्र यदुवंशी, ममता महाजन, मनोहर पंवार "बामने सर" सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मां पार्वती धाम गोशाला में पुण्यतिथि पर गो सेवा, गो पूजन का किया प्रेरक आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

मां पार्वती धाम गौशाला में गुरुवार को स्वर्गीय श्रीमती वंदना गुप्ता की पुण्यतिथि श्रद्धा, सेवा और सनातन संस्कारों के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सिविल अस्पताल में बीएमओ पद पर पदस्थ रहे वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रवीर गुप्ता ने अपनी पूज्य माताजी की स्मृति में गौमाताओं को गो-ग्रास खिलाया, विधि-विधान से गौपूजन एवं आरती की तथा मां पार्वती धाम गौशाला समिति की ओर से संचालित गौसेवा में सहयोग स्वरूप 1100 की राशि गौमाताओं के आहार हेतु समिति की उपाध्यक्ष किरण दीदी को भेंट की। मां पार्वती धाम गौशाला में वर्तमान में 100 से अधिक गौमाताओं की प्रतिदिन सेवा, उपचार, देखरेख एवं आहार की व्यवस्था समाज के दानदाताओं के सहयोग से निरंतर संचालित हो रही है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी जनों ने स्वर्गीय वंदना गुप्ता को श्रद्धापूर्वक नमन कर उनकी पुण्य स्मृति में गौसेवा का संकल्प लिया।डॉ. प्रवीर गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि माता-पिता का ऋण कभी चुकाया नहीं जा सकता, लेकिन उनकी स्मृति में किए गए सेवा कार्य उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि प्रदान करते हैं। गौसेवा भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है और गौमाता की सेवा से समाज में करुणा, संस्कार एवं धर्म का भाव जागृत होता है।

उन्होंने कहा कि परिवार के प्रत्येक शुभ अवसर एवं पुण्यतिथि पर गौसेवा जैसे कार्य किए जाएं, यही हमारी संस्कृति की पहचान है।मां पार्वती धाम गौशाला समिति के अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा (पूर्व पार्षद) ने अपने उद्बोधन में कहा कि गौसेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। किसी प्रियजन की पुण्यतिथि पर गौमाताओं को गो-ग्रास खिलाना, उनके आहार की व्यवस्था में सहयोग देना और गौशाला के माध्यम से सेवा करना दिवंगत आत्मा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने डॉ. प्रवीर गुप्ता एवं समस्त गुप्ता परिवार का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रेरणादायी कार्य समाज को सेवा, संस्कार और सनातन परंपरा से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने परिवार के जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि जैसे अवसरों पर गौशाला पहुंचकर गौसेवा करने का आग्रह किया।कार्यक्रम के अंत में स्वर्गीय वंदना गुप्ता की पावन स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके पुण्यात्मा की शांति एवं सद्गति के लिए प्रार्थना की गई।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल सिद्धपुर सेवा सप्ताह के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

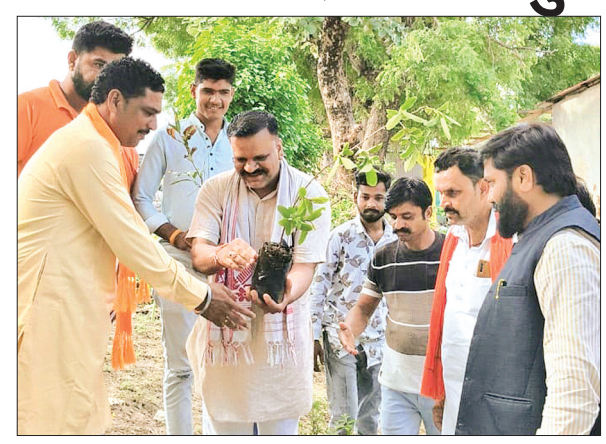

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल सिद्धपुर जिला सीहोर द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत जावर प्रखंड स्थित देव लाखन धाम में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्य भारत प्रांत के प्रांत संयोजक लोकेंद्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश देते हुए कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण किया तथा सभी से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनका संरक्षण करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष रेवा शंकर जाट, जिला संयोजक प्रभात मेवाड़ा, धर्म प्रचार प्रमुख जगदीश कुशवाह, जिला मठ-मंदिर प्रमुख धीरज सिंह, जिला सुरक्षा प्रमुख राकेश सिंह ठाकुर, खाचरोद प्रखंड अध्यक्ष बलराम जाट, सत्संग प्रमुख हरिओम शर्मा ,जावर प्रखंड अध्यक्ष लाखन सिंह ठाकुर, प्रखंड सह मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर, प्रखंड सह संयोजक भूपेंद्र सिंह ठाकुर ,प्रखंड सुरक्षा प्रमुख मनोज ठाकुर ,जागरण नगर गोरक्षा प्रमुख अंकित, कुरावर खंड के ग्राम इकाई हर्निया गांव से देवेन वर्मा, दीनदयाल बैरागी ,देव लाखन धाम समिति के संचालक देवेंद्र सिंह भोले सहित विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे जावर प्रखंड अध्यक्ष और उनकी टीम द्वारा मंदिर की साफ सफाई का कार्य किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सेवा कार्यों के माध्यम से जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा।

सांदीपनि विद्यालय में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्यों ने विद्यार्थियों से की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

नगर के सांदीपनि सी.एम. राइज शासकीय उमावि आष्टा में 09 जुलाई को राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग नई दिल्ली से पधारे विशेष प्रतिवेदक सुभाष चन्द्र जी एवं जिला परियोजना समन्वयक आर.आर. उइके, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से अंकुर शर्मा, प्राचार्य सितवत खान, बी.आर.सी.सी. अबज सिंह राजपूत ने संस्था का निरीक्षण किया एवं प्रार्थना सभा में उपस्थित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग नई दिल्ली से संस्था में उपस्थित सुभाष चन्द्र जी द्वारा संबोधित करते हुए बताया कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने माता-पिता एवं शिक्षकों की आज्ञा का पालन करना चाहिए। उन्हें ऐसी कोई सी भी घटना को अंजाम न दे जिससे आपके विद्यालय एवं अपने माता पिता का नाम धुमिल हो। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में हमेशा अनुशासन बनाएं रखना चाहिए एवं पर्यावरण संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। प्रत्येक विद्यार्थी को अपने जन्म दिवस पर एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए एवं उसे जीवन भर सहजना चाहिए। विद्यार्थी को हमेशा अपने आस-पास साफ-सफाई से रहना चाहिए एवं हम जिस स्थान पर निवास एवं पढ़ाई करते है उसकी सफाई एवं स्वच्छता का ध्यान स्वयं को रखना चाहिए। उन्होंने प्रार्थना सभा की विभिन्न गतिविधियों की सराहना करते हुए योग को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए कहा एवं विद्यार्थियों की प्रशंसा की। प्राचार्य सितवत खान द्वारा समस्त पधारे अतिथियों का स्वागत सम्मान किया एवं उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह विद्यालय म.प्र. का सबसे बड़ा सांदीपनि विद्यालय है, जिसमें लगभग चार हजार विद्यार्थी अध्ययनरत है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिनांक 12.04.2026 इस विद्यालय का लोकार्पण किया गया। विद्यालय में दो गार्डन निर्माणाधीन है, जिसमें विभिन्न प्रजातियों के वृक्षो का रोपण सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी एवं विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया गया है। इस अवसर पर संस्था के समस्त षिक्षक एव विद्यार्थी सहित कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहे।

नगर के युवक नितेश यादव का अग्निवीर में चयन तुलावट संघ ने माला पहनाकर किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

भारतीय सेना की अग्निवीर भर्ती में क्षेत्र के युवा नितेश यादव का चयन हुआ है और छह माह तक सेना की ट्रैनिंग कर लौटे थे, इस उपलब्धि पर शहर के कृषि उपज मंडी परिसर में तुलावट संघ के कार्यालय में स्वागत और सम्मान किया। नितेश यादव तुलावट संघ के राजेश यादव का पुत्र है। युवा को माला पहनाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और युवाओं में भी उत्साह देखा जा रहा है। उपस्थित लोगों ने नितेश की सफलता को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वक्ताओं ने इस दौरान कहा कि देश सेवा के लिए सेना में चयनित होने वाले युवाओं का सम्मान पूरे समाज का सम्मान होता है। उनके पिता राजेश यादव पप्पू ने बताया कि चयन के बाद छह माह के लिए हैदराबाद गए थे, नितेश के लौटने पर तुलावट संघ की ओर से सम्मान-स्वागत समारोह का आयोजन किया गया।

आयोजित हुए स्वागत कार्यक्रम में तुलावट संघ अध्यक्ष जगदीश यादव, यादव समाज के अध्यक्ष तारा यादव, राज नारायण, ओमप्रकाश रैकवार, रूप सिंह राठौड़, केसर सिंह, पवन सूर्यवंशी राजेश मेवाड़ा, रितेश बाबूलाल सूर्यवंशी, अजमेरी खान शादाब खा रफीक खा, प्रीतम यादव, जीवन लाल यादव, शफीक भाई तुलावट संघ सचिव राजेश यादव, जगदीश ठाकुर, चिरौंजी भाई छोटे लाल यादव पातीराम यादव प्रकाश यादव, जय नारायण, ओम, पप्पू, कैलाश सूर्यवंशी आदि शामिल थे।

सात दिवसीय ऑनलाइन शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ, काफी संख्या में उमड़े भक्तजन

संतान होना भाग्य, लेकिन संतान से सुख मिलना सौभाग्य की बातः मिश्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

संतान होना भाग्य की बात है, लेकिन संतान से सुख प्राप्त हो जाना सौभाग्य की बात है। माता-पिता के संस्कार ही संतान के उज्ज्वल भविष्य का आधार बनते हैं और परिवार में प्रेम, सम्मान एवं धर्म का वातावरण होना आवश्यक है। उक्त विचार बुधवार से आरंभ हुई सात दिवसीय आन लाइन शिव महापुराण के पहले दिन अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहे।

इस मौके पर पंडित श्री मिश्रा के पुत्र कथा वाचक पंडित राघव मिश्रा ने सुंदर भजनों की प्रस्तुति देते हुए अपने प्रवचन के दौरान कहाकि सबसे पहले स्वयं पर विश्वास करना सीखिए, उसके बाद भगवान शिव पर भरोसा रखिए। आत्मविश्वास और शिवभक्ति का संगम व्यक्ति को जीवन की हर चुनौती से लड़ने की शक्ति देता है। सात दिवसीय ऑनलाइन शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुआ। कथा का सीधा प्रसारण ऑनलाइन माध्यम से किया जा रहा है, जिसे देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु अपने घरों से श्रवण कर रहे हैं। कथा के पहले दिन पंडित श्री मिश्रा ने कहाकि भगवान शिव मनुष्य के अवगुणों को नहीं, बल्कि उसके गुणों को देखते हैं। जैसे माता-पिता अपने बच्चों की गलतियों को क्षमा कर उन्हें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं, उसी प्रकार भगवान शिव भी अपने भक्तों के दोषों को दूर कर उन्हें सद्गुणों की ओर अग्रसर करते हैं। पंडित श्री मिश्रा ने कहा कि इस संसार के प्रत्येक प्राणी के भीतर ईश्वर का वास है। इसलिए सभी के प्रति प्रेम, करुणा और सम्मान का भाव रखना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं को जीवन में तीन कार्य करने का संदेश दिया। पहला, प्रतिदिन भगवान शिव को एक लोटा जल अर्पित करें। दूसरा, भगवान पर अर्पित जल का आचमन करें, जिससे रोगों के निवारण की कृपा प्राप्त होती है।

तीसरा, रवि प्रदोष के दिन बेलपत्र का पौधा लगाएं, जिससे जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। पंडित श्री मिश्रा ने श्रद्धालुओं द्वारा भेजे गए अनेक पत्रों का वाचन भी किया और उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि यह कथा ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जा रही है, इसलिए श्रद्धालु घर बैठे श्रद्धा और एकाग्रता के साथ कथा का श्रवण करें तथा भगवान शिव की भक्ति से अपने जीवन को धन्य बनाएं। कथा के दौरान उत्तरप्रदेश से आए महिला के पत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि मैं संगीता बाथम उनका पुत्र 14 सालों से पलंग पर था, लेकिन जैसे ही उन्होंने भगवान शिव पर विश्वास करते हुए इलाज के साथ भगवान पर चढ़ाए जल का सेवन अपने पुत्र को कराया है, आज वह चलने लगा है, इस दौरान पंडित श्री मिश्रा ने आए हुए परिवार को वेलपत्र दिया।

ऐजेन्सी देना है। हरिभूमि
सिहोर जिले
में ऐजेन्सी देना है ।
आष्टा,शाहगंज,
लाडकुई, बिलकिसगंज,
डोबी, श्यामपुर
पता :- हरिभूमि कार्यालय 4 फ्लोर,
मानसरोवर कॉम्प्लेक्स,
एम.पी. नगर, भोपाल
मो.: 8770833858, 9755123912